राहतक केसरी

क्षा, स्वास्थ्य व सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी महिलाओं का वक्तव

........औरत के बिना घर-घर नहीं

रोहतक केसरी
08-03-24
Page No
9

नारीत्व बनाम महिला सशक्तिकरण के मध्य ही विवाद : डा.सुनील कुमारी

सहायक प्रोफैसर सुनील कुमारी, बहन चेतना, डा. रेणु राना व सरिता खनगवाल।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महम के राजकीय महाविद्यालय में सहायक प्रोफेसर सुनील कुमारी का कहना है कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता यह संकल्पना हमारी भारतीय संस्कृति में परिलक्षित रही है। इसका अर्थ होता है जहां नारी की पूजा होती है वहां देवता वास करते हैं। परन्तु आधुनिक युग में यह अवधारणा समग्र रूप में लागू होती दिखाई नहीं पड़ती। आज जैसे नारीत्व बनाम महिला सशक्तिकरण के मध्य ही विवाद उत्पन्न हो गया है। जैसा कि ओशो कहते हैं कि नारीत्व का अर्थ है कि नारी स्वयं एक महाशक्ति है। वह जगत जननी है। वह ममता, प्यार और संवेदनशीलता जैसे अपार प्राकृतिक गुणों की धनी होती है, जो सम्पूर्ण मानव जाति को चलायमान अवस्था मे रखती है।

कहा जाता है कि हर सफल पुरुष के पीछे एक नारी का हाथ होता है। उसके सशक्तिकरण की आवश्यकता तब पड़ी जब उसे पुरुष से तुच्छ या कमजोर मान लिया गया और उसकी स्वतंत्रता व स्वायतता पर अंकुश तो लगा ही दिया बल्कि कभी दहेज तो कभी यौन शोषण का शिकार होने लगी। अब उसके सशक्तिकरण के नाम पर अनेक कानूनी प्रावधानों को जामा पहनाया जाने लगा जैसे फिलहाल लोकसभा में महिलारिजर्वेशन बिल का प्रस्तुत किया जाना आदि। इन सबसे क्या महिलाओं का सशक्तिकरण होगा, शायद नहीं। अब ये कमान महिलाओं को खुद संभालनी

प्रेस नोट

राजकीय महाविद्यालय महम में प्रिंसिपल इंचार्ज मि. एन एन यादव की अध्यक्षता में प्लेसमेंट सेल के अंतर्गत डॉ. सुनील कुमारी द्वारा एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया. प्रतिभागियों ने पोस्टर पर बहुत ही अच्छी स्केचिंग, ड्राइंग आदि की. मिस पिंकी व संदीप शर्मा ने निर्णायक की भूमिका निभाई. कोमल (बी.ए. द्वितिय वर्ष) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया. प्रो. रोहित कुमार ने विजेताओं को नकद पुरस्कार भी प्रदान किए.

07/03/24

Dr. Sunel Kumari
Placement cell Incharge